प्रतिवेदन – 2020

परियोजना के अंतर्गत युवाओं की सहभागिता हेतु नेहरू युवा केन्द्र संगठन, बिहार (पटना)

द्वारा

तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तर मस्तिष्क मंथन उन्मुखीकरण प्रशिक्षण सह मीडिया कार्यशाला

02 से 04 मार्च 2020, स्थान– होटल विजयातेज क्लार्क इन, पटना

सूची

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यक्रम विवरणी, उद्देश्य एवं उद्घाटन	1-2
2	वक्ता सह प्रशिक्षक की सूची	3
3	प्रतिभागी सूची	4
4	कार्यक्रम की रूपरेखा	5
5	प्रथम दिन	6-9
6	द्वितिय दिन	10-14
7	तृतीय दिन	15-19
8	कार्ययोजना	20
9	फोटोग्राफ	21-22
10	मीडिया कवरेज	23

1. **कार्यक्रम विवरण**

- प्रशिक्षण की अवधि : 2 से 4 मार्च 2020 तक
- स्थल : होटल विजयातेज क्लार्क इन, पटना (बिहार)
- सहभागी जिलाः पटना बक्सर, वैशाली ,मुंगेर एवं भागलपुर
- प्रतिभागियों की संख्या – कुल 14

2. **प्रशिक्षण और मीडिया कार्यशाला का उद्देश्यः**

- गंगा नदी के प्रदूषण के रोकथाम के लिए प्रतिभागियों के बीच जागरुकता और ज्ञान के स्तर में वृद्धि ।
- गंगा नदी में होने वाले प्रदूषण और उसके संरक्षण के उपाय ।
- सम्बंधित जिले के जिला युवा समन्वयक, जिला परियोजना अधिकारी एवं सभी प्रतिभागी को परियोजना के तौर तरीकों, लक्ष्यों, एवं कार्यान्वयन से परिचय कराना ।
- गंगा के किनारे के ग्रामवासियों के बीच वितरण एवं जनजागरूकता के लिए आईईसी सामग्रीयों को संग्रहित व विकसित करना जैसे– वृत्तचित्र फिल्मों, गीतों व विडियो क्लिप इत्यादि।
- गंगा में होने वाले प्रदूषण की रोकथाम, गंगा की स्वच्छता से संबंधित सोशल मीडिया व प्रिन्ट मीडिया से अवगत कराना ।
- गंगा को स्वच्छ करना और गंगा नदी की पवि्त्रता, सुंदरता और प्राकृतिक प्रवाह को संरक्षित करना ।
- युथ क्लब एवं गंगादूतों के साथ समन्वय करते हुए कार्य को करना, इत्यादि ।

NAMAMI GANGE (NYK) AR

3. उद्घाटन एवं सत्र

दिनांक २ मार्च २०२० को होटल विजयातेज क्लार्क इन, पटना (बिहार) में क्षेत्रीय स्तरीय प्रशिक्षण सह मीडिया कार्यशाला का आरम्भ हुआ । इस अवसर पर निम्नलिखित गणमान्य उपस्थित हुए।

- डा० कुमारी ज्योत्स्ना, राज्य निदेशिका , नेहरू युवा केन्द्र संगठन, बिहार (पटना)
- श्री शिवजी पाण्डेय उपनिदेशक, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, बिहार (पटना)
- श्रीमती प्रियंका झा , पर्यावरण विशेषज्ञ, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नई दिल्ली
- डा० गोपाल शर्मा, संयुक्त निदेशक, जुलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, भारत सरकार
- श्री रामप्रकाश साहनी, संयुक्त निदेशक (रसायन) बिहार सरकार
- श्री शंत्रुजय कुमार, वन विभाग, बिहार सरकार

उद्घाटन सत्र में **डा० कुमारी ज्योत्स्ना**, राज्य निर्देशिका , नेहरू युवा केन्द्र संगठन, बिहार (पटना) नें बताया की नेहरू युवा केन्द्र संगठन, दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा जमीनी स्तर का युवा संगठन है यह युवाओं की स्वैच्छिक, स्व-सहायता और सामुदायिक भागीदारी के सिद्धांतो पर आधारित है इस संगठन का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को राष्ट्र निर्माण गतिविधियों के साथ **जोड़ना** एवं उनमें कौशल विकसित करना जिससे वे एक आधुनिक, धर्मनिरपेक्ष और तकनीकी संपन्न राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार, जागरूक व सफल नागरिक बन सके।

साथ ही उन्होंनें नमामि गंगे परियोजना में युवाओं की सहर्ष भागीदारी सुनिश्चित करते हुए गंगा नदी की महत्ता, प्रदूषण निराकरण,परियोजना के कार्यान्वयन व गतिविधियों के तरीके पर प्रकाश डाला ।

श्री शिवजी पाण्डेय – उपनिदेशक नेहरू युवा केन्द्र संगठन, बिहार (पटना) नें परियोजना में नेहरू युवा केन्द्र के युवाओं की सहभागिता पर विस्तृत चर्चा किया।

श्रीमती प्रियंका झा – पर्यावरण विशेषज्ञ, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, नई दिल्ली के द्वारा नमामि गंगे परियोजना में युवाओं की सहभागिता एवं परियोजना के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होनें उपस्थित गणमान्यों के बीच परियोजना की पृष्ठभूमि, अवधारणा, कवरेज, उद्देश्य, कार्य रणनीति, गतिविधियों, समन्वय,बजट, समय सीमा, निगरानी, प्रभाव, मूल्यांकन भूमिकाएँ, जिम्मेंदारियों, अपेक्षाएँ, परिणाम, व रिपोर्ट पर चर्चा किया गया।

श्री रामप्रकाश सहनी – संयुक्त निदेशक रसायन, बिहार सरकार ने परियोजना हेतु आवश्यक बुनियादी जानकारी और डेटा का संग्रह करने के लिए रणनितियों जौविक खेती, और गंगा को स्वच्छ बनाने और गंगा के संरक्षण के उपायों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की।

डा0 गोपाल शर्मा, संयुक्त निदेशक, जुलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, भारत सरकार **नें गंगा नदी के सीवरेज व औद्योगिक कचरे के प्रभाव से जल जीवों व पर्यावरण संतुलन पर पडने वाले असर पर प्रकाश डाला।**

श्री शंत्रुजय कुमार, वन विभाग, बिहार सरकार ने गंगा नदी के प्रदूषण के कारणों व इससे पर्यावरण पर होने वाले प्रभाव के संदर्भ में अपना विचार प्रकट किए।

NAMAMI GANGE (NYKS) BIHAR

Sr.No.	Resource Person	Designation
1	Dr. Gopal Sharma	Joint Director, Government of India Zoological Survey of india
2	Prof. Atul Aditya Pandey	H.O.D. Geology, Patna Science College
3	Dr. Rabindra Kumar	Dept. of Geology, Patna Science College
4	Prof. K.C. Bajpai	H.O.D. Creative Arts BIT, Patna
5	Shri Alok kumar Singh	Asst. Youth Director (Bsacs), Patna
6	Dr. S.k sinha	Associate professor & H.O.D. of Physics, BIT Patna
7	Shri Nikhil	(UNICEF Counseller)

प्रतिभागी की सूची		
Sl. No.	**Participants**	**Designation**
1	Dr. Kumari Jyotsna	State Director NYKS Bihar
2	Sheoji Pandey	Deputy Director NYKS Bihar
3	Smt. Priyanka Jha	Environment Specialist NMCG ,Delhi
4	Pawan Kumar Sourav	State Project Assistant,Bihar
5	Pamir Singh	DYC, Patna
6	Dipendra Mani	District Project Officer, Patna
7	Kundan Sagar	DYC, Bhagalpur
8	Piyush Bajpai	District Project Officer, Bhagalpur
9	Chitranjan Mandal	DYC, Munger
10	Saligram Prasad	District Project Officer, Munger
11	Krishna kant Singh	DYC, Buxer
12	Shailesh Kumar Rai	District Project Officer, Buxer
13	Shweta Singh	DYC, Vaishali
14	Munesh Kumar	District Project Officer, Vaishali

तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तर मस्तिष्क मंथन उन्मुखीकरण प्रशिक्षण सह मीडिया कार्यशाला

स्थानः– होटल विजयातेज क्लार्क इन, पटना । 02 से 04 मार्च 2020

कार्यक्रम की रूप रेखा

Day	Time	Session/Programme	Guest Speaker
1st Day	9.30am to 10.30 Am	Registration of the Participants	
	10.30 to 11.30 A.M	Briefing for 3 Days Training program and inaugural function.	
	11.30 to 12.30 P.M.	About NYKS and its Programme & about, NMCG	Dr. Kumari Jyotsna Smt. Priyanka Jha
	12.30 to 01.30 P.M	1. Session - Development of institutional mechanism for undertaking the project.	Dr. Gopal Sharma
	1.30 to 02.30 P.M	Lunch	
	2.30 to 03.30 P.M	2. Session - Geographical coverage of River Ganga and it impact on pollution.	Prof. Atul Aditya Pandey
	03.30 to 04.30 P.M	3. Session - Situation and problem of pollution in river Ganga and its impact.	Dr. Rabindra Kumar
	04.30 to 05:00 P.M	4. session Review the project	Shri Sheoji Pandey
2nd Day	09:30 to 11:00 AM	5. Session - Media	Prof. K.C. Bajpai
	11:00 to 12:15 PM	6. Session - Personal Contact and Peer Education Programme	Shri Alok kumar Singh
	12:15 to 1:30 PM	7. Session - Group Discussion and Presentation.	All Participants
	1.30 to 02.30 P.M	Lunch	
	2:30 to 3:30 PM	8. Session - Collection of basis information on level of Pollution and its impact on economy and population of the area.	Dr. S.k. Sinha
	3.30 to 5.00 PM	Discussion About project	All Participants
3rd Day	09:30 to 11:00 AM	9. session - Presentation of IEC Material.	Dr. Gopal Sharma
	11:00 to 11:45 AM	10-. Session-Group Discussion for development and adoption of IEC material.	Shri NIKHIL
	11.45 to 01.00 P.M	11.- session- Discussion on the adopted IEC material	All Participants
	1.00 to 02.00 P.M	Lunch	
	02.00 to 03.00 P.M	12 Session –District work plan and state Situation Presentation	State Director & All DYC's
	03:00 to 04:00 PM	13. Session –state work plan and state Situation Presentation	Dr. Kumari Jyotsna
	04:00 to 05:00 PM	14- Session-summing up and consolidation of Orientation Training.	Dr. Kumari Jyotsna
		Certificate Distribution	

➢ **प्रथम दिन : 02 मार्च 2020**

सत्र

प्रथम सत्र :- डा० गोपाल शर्मा, संयुक्त निदेशक, जुलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, भारत सरकार के द्वारा **"परियोजना शुरू करने के लिए संस्थागत तंत्र का विकास"** विषय पर प्रकाश डाला उन्होनें नमामि गंगे परियोजना के तहत नए क्लबों का गठन (जहाँ क्लब मौजुद नहीं है),युवा स्वंयसेवको को जुटाना, लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना, स्थानीय, ग्रामीणों और युवा स्वंयसेवको को प्रशिक्षित व प्रेरित करना, जिला, प्रखण्ड एवं ग्राम स्तर पर अधिकारियों, सरकारी व गैर सरकारी संगठनो, राजनेताओं ,धार्मिक नेताओं, प्रतिष्ठित व्यक्तियों का समर्थन एवं स्पीयरहेड, गंगादूत वं महिला समूह के साथ समन्वय स्थापित करते हुए परियोजना के परिपेक्ष्य में ग्राम स्तर पर एक संस्थागत ढांचा के विकास पर प्रकाश डाला।

डा० गोपाल शर्मा, संयुक्त निदेशक, जुलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, भारत सरकार द्वारा संबोधन।

दूसरा सत्र :- प्रो० अतुल आदित्य पांडेय, विभागाध्यक्ष भूगर्भशास्त्र, पटना साइंस कॉलेज, पटना के द्वारा **गंगा नदी की भौगोलिक कवरेज और जनसंख्या पर इसका प्रभाव विषय पर प्रकाश डाला** उन्होंने गंगा नदी की भौगोलिक कवरेज और जनसंख्या पर इसका प्रभाव, संबंधित परियोजना क्षेत्र में गंगा नदी के आसपास रहने वाली आबादी की अनुमानित संख्या, गंगा नदी के क्षेत्र में रहने वाले लोगों का व्यवसाय और पेशा, अपने जिविकापार्जन के लिए गंगा नदी पर निर्भर लोगों की संख्या जैसे- मवेशी, दैनिक घरेलु काम, कृषि आदि पर विस्तार पूर्वक बताया ।

प्रो० अतुल आदित्य पांडेय, विभागाध्यक्ष भूगर्भशास्त्र, पटना साइंस कॉलेज, पटना द्वारा संबोधन।

<u>तीसरा सत्र</u> :- **डा० रबीन्द्र कुमार, भूगर्भशास्त्र विभाग , पटना साइंस कॉलेज, पटना के** द्वारा **<u>गंगा नदी में प्रदूषण की स्थिति और उसके प्रभाव की समस्या</u>** विषय पर प्रकाश डाला गया जिसमें उन्होनें गंगा नदी के तट व आस-पास के क्षेत्रों में प्रदूषण का स्तर, गंगा नदी को प्रदूषित करने वाली वस्तुएँ जैसे प्लास्टिक, बेकार कपड़े, प्रवाहित पूजा सामग्री, फूल, लकड़ी और लाश के अवशेष आदि के प्रवाह से गंगा नदी की हाने वाली प्रदूषण के कारण हमारे जीवन में स्वास्थ्य पर पडने वाले कुप्रभाव के बारे में बताया व गंगा नदी को साफ करने एवं प्रदूषण से बचाने के उपाय के संबंध में विस्तार पूर्वक चर्चा की।

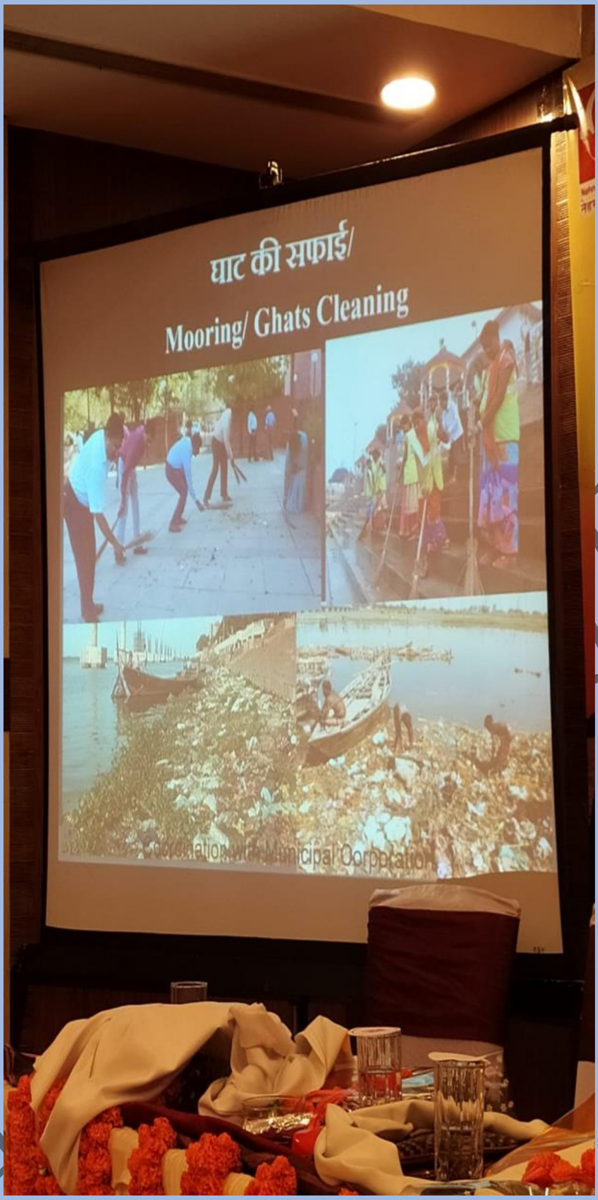

<u>डा० रबीन्द्र कुमार, भूगर्भशास्त्र विभाग , पटना साइंस कॉलेज, पटना द्वारा संबोधन।</u>

चौथा सत्र :- शिवजी पाण्डेय उपनिदेशक नेहरू युवा केन्द्र संगठन बिहार के द्वारा परियोजना के बारे में समीक्षा कर विस्तार पूर्वक चर्चा किया , उन्होनें परियोजना की पृष्ठभूमि, कवरेज,, उद्देशय, प्रदूषण निस्तारण के लिए रणनीति, कार्यान्वयन गतिविधियों, गंगा किनारे बसे ग्रामीणों से समन्वय, परियोजना बजट, समय सीमा, कार्य की निगरानी, इसके प्रभाव , कार्य समीक्षा , अधिकारियों की भूमिकाएँ व जिम्मेंदारियों के बारे में विस्तार से बताया ।

श्री शिवजी पाण्डेय उपनिदेशक नेहरू युवा केन्द्र संगठन बिहार द्वारा संबोधन।

➢ **द्वितीय दिन : 03.मार्च 2020**

पांचवा सत्र :- डा. के.सी. वाजपेयी, विभागाध्यक्ष क्रियेटिव आर्ट, बी.आई. टी. पटना के द्वारा नमामि गंगे परियोजना में मीडिया की भुमिका विषय पर प्रकाश डाला गया।

गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए मीडिया व संचार साधन, प्रभावी संचार के तरीके व माध्यम, मीडिया के प्रचार और उनकी प्रभावशीलता, ग्राम स्तर पर समयबद्ध और कम अवधि की परियोजना के लिए संचार के लिए मीडिया का उपयोग , परियोजना गतिविधियों के लिए संचार मीडिया का चयन, पर्यावरण निर्माण के साथ- साथ जन जागरूकता और शिक्षा के प्रिंट मीडिया, इलैक्ट्रानिक मीडिया एवं सोशल मीडिया, के माध्यम से कैसे परियोजना का प्रचार प्रसार किया जाए इसके संदर्भ में विस्तार पूर्वक चर्चा किया।

डा. के.सी. वाजपेयी, विभागाध्यक्ष क्रियेटिव आर्ट, बी.आई. टी. पटना द्वारा संबोधन।

छठा सत्र :- आलोक कुमार सिंह सहायक युवा निदेशक, बिहार राज्य एड्स कण्ट्रोल सोसायटी पटना के द्वारा व्यक्तिगत संपर्क और सहकर्मी शिक्षा कार्यक्रम विषय पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया।

परियोजना को जमीनी स्तर पर कार्यान्वित करने के लिए डोर – टू– डोर व्यक्तिगत संपर्क और सहकर्मी शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से जन जागरूकता और शिक्षा, द्वारा जन भागीदारी सुनिश्चित करते हुए परियोजना की गतिविधि संदेश भेजने, सेवाओं तक पहुंच को प्रसारित करने और गंगा को स्वच्छ बनाने व इसके संरक्षण के उपाय की आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा करते हुए योजना के सफल कार्यावन्यन हेतु जनभागीदारी की आवश्यकता एवं उनके शैक्षणिक विकास पर प्रकाश डाला।

आलोक कुमार सिंह सहायक युवा निदेशक, बिहार राज्य एड्स कण्ट्रोल सोसायटी पटना द्वारा संबोधन।

<u>सातवां सत्र :– समूह चर्चा और प्रस्तुति विषय पर</u> डा0 कुमारी ज्योत्स्ना, राज्य निदेशिका , नेहरू युवा केन्द्र संगठन, बिहार (पटना) ने सभी प्रतिभागीयों के साथ समूह चर्चा किया जिसमें लक्षित उद्देश्य के लिए परियोजना कार्यान्वयन की कार्यनीतियां और परियोजना के प्रकार की गतिविधियां, व्यक्तिगत जनसंपर्क और सहकर्मी शिक्षा कार्यक्रम के लिए रणनीतियॉं, योजनाए और लक्षित समय सीमा के संदर्भ मे विस्तार से चर्चा किया साथ ही ग्रामीण स्तर पर परियोजना के परिदृश्य में आम जन के साथ समूह चर्चा, एवं परियोजना के प्रस्तृति के तरीको पर भी प्रकाश डाला व परियोजना सहायक, जिला परियोजना अधिकारी, जिला नेहरू युवा केंन्द्र के अधिकारीयों, कर्मीयों की स्पष्ट भूमिका और जिम्मेदारियों को बताया।

<u>समूह चर्चा और प्रस्तुति विषय पर सभी प्रतिभागी चर्चा करते हुए।</u>

<u>आठवां सत्र</u> :- डा. एस. के. सिन्हा विभागध्यक्ष, भौतिकी , बी.आई. टी. पटना के द्वारा

<u>प्रदुषण के स्तर पर बुनियादी जानकारी का संग्रह और इसका अर्थव्यवस्था और क्षेत्र की जनसंख्या पर प्रभाव</u> विषय पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।

जिसके परिपेक्ष्य में नमामि गंगे परियोजना के कार्यान्वयन का उद्देश्य, गंगा में फैल रही प्रदूषण व गंदगी को कैसे रोका जाए, बुनियादी जानकारी और डाटा संग्रह, के साथ इसका अर्थव्यवस्था और गंगा किनारे क्षेत्र की जनसंख्या पर पडने वाले प्रभाव और परिणाम पर प्रकाश डाला गया एवं गंगा को कैसे निर्मल व पावन किया जाए एवं प्रदूषण से इसे बचाने के उपाय के संदर्भ में विस्तृत जानकारीयों को साक्षा किया गया।

डा. एस. के. सिन्हा विभागध्यक्ष, भौतिकी , बी.आई. टी. पटना द्वारा संबोधन।

नमामि गंगे परियोजना के विषय पर सभी प्रतिभागियों के बीच समूह वार्त्ता किया गया।

जिसमें सभी प्रतिभागियों को बताया गया की नमामि गंगे परियोजना के तहत गंगा नदी के प्रदूषण की रोकथाम और इसके संरक्षण के उपायों के लिए सभी चयनित ग्राम के युवा क्लबों व गंगादूतों को जागरूक एवं उनके ज्ञान स्तर को बढ़ानें के लिए व परियोजना के तौर- तरीको, लक्ष्यों, सफल कार्यान्वयन रणनीतियों, प्रभावी संचार और अपेक्षित परिणाम के तरीकों से कैसे परिचित कराएं एवं गंगा में प्रदूषण की रोकथाम, गंगा के स्वच्छता एवं निर्मलता, गंगा नदी की पवित्रता, सौंदर्य और प्राकृतिक प्रवाह को संरक्षित करने से संबंधित बातों पर परिचर्चा करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से वृत्तचित्र फिल्मों, गीतों और विडियों क्लिप से प्रचार- प्रसार करने के विषय पर विस्तृत चर्चा किया गया।

नमामि गंगे परियोजना के विषय पर सभी प्रतिभागियों के बीच समूह वार्त्ता करते हुए।

➢ <u>तृतीय दिन 04 मार्च 2020</u>

<u>नवां सत्र</u> :– डा0 गोपाल शर्मा, संयुक्त निदेशक, जुलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, भारत सरकार द्वारा <u>आईईसी सामग्री की प्रस्तुति</u> विषय पर आईईसी सामग्री एवं उनके सफल प्रस्तृतिकरण के संदर्भ में बताया व संबंधित जिलों के जिला युवा समन्वयकों एवं जिला परियोजना अधिकारीयों को आईईसी सामग्री के ग्राम स्तर पर परियोजना के लक्षित उद्येश्य को ध्यान में रखते हुए सफल कार्यावन्वयन व प्रस्तृतिकरण के लिए निर्देशित किया।

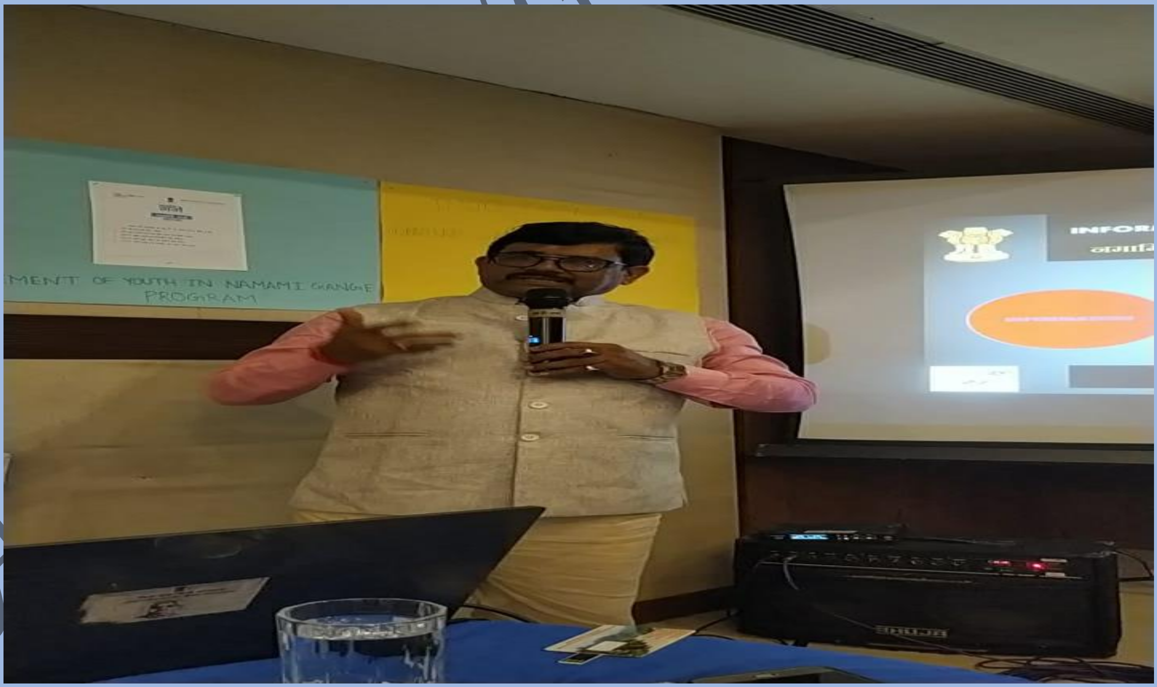

डा० गोपाल शर्मा, संयुक्त निदेशक, जुलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, भारत सरकार के द्वारा आईईसी सामग्री के विषय में बताते हुए।

दसवां सत्र :– श्री निखिल कुमार (युनिसेफ सलाहकार सह आईईसी विशेषयज्ञ) के द्वारा

आईईसी सामग्री के विकास और गोद लेने के लिए समूह चर्चा और आईईसी सामग्री पर विकसित कर, परियोजना के परिपेक्ष्य में विभिन्न तरह की केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, विभागों, सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों, लोकाचार में उपयोग की जाने वाली जनजागरूकता संदेशो, प्रेरक गीतों, व स्लोगनों, पैंटिंग, विडियो क्लिपिंग,व अन्य मेटेरियलों के संग्रहण व इन्हें कैसे अपनाया जाए जैसे पामफ्लेट्स, पोस्टर, हैंड बिल, स्लोगन, संदेश, ब्रोशर, नुक्कड़ नाटक के लिए स्क्रिप्ट, वृत्तचित्र फिल्में और वीडियो क्लिप तैयार कैसे किया जाए एवं गंगा नदी के प्रदूषण और संरक्षण के लिए जागरूकता और शिक्षा के लिए गांवो में परियोजना संबंधित जनजागरूकता को कैसे किया जाए,पर विस्तृत रूप से सभी प्रतिभागीयों को समझाया गया एवं समूह चर्चा किया गया।

श्री निखिल कुमार (युनिसेफ सलाहकार सह आईईसी विशेषयज्ञ) के द्वारा आईईसी सामग्री के विकास पर चर्चा करते हुए।

<u>ग्यारहवां सत्र</u> :- सभी प्रतिभागियों के साथ <u>अपनाई गई आईईसी सामग्री</u> पर चर्चा किया गया। जिसमें मुख्य रूप से वीडियो फिल्में, दस्तावेज बनाना, विज्ञापन, गीत, पोस्टर, ब्रोशर, सोशल मीडिया के लिए संदेश कविताएं ,स्लोगन, पेंटिग इत्यादि विषय पर चर्चा किया गया।

<u>बारहवां सत्र</u> :-<u>जिला कार्य योजना और राज्य की प्रस्तुति</u> जिला युवा समन्वयक , जिला परियोजना अधिकारी (नमामि गंगे परियोजना)द्वारा अपने अपने जिलों की प्रस्तावित कार्य योजना के बारे में तथा अपने क्षेत्र में गंगा नदी में प्रदूषण के रोकथाम के उपायों,गंगा नदी के संरक्षण , प्रचार प्रसार गंगादूतों ,युवाक्लबो एवं स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों के साथ गंगा नदी के संरक्षण के उठाऐ गए कदम पर सभी जिला युवा समन्वयक अपना प्रस्तृति दिया साथ ही जिला परियोजना अधिकारीयों नें अपना विचार प्रकट किऐ ,साप्ताहिक कार्यक्रम, महीने वार कार्यक्क्रम पर भी विशेष चर्चा कि गई।

जिला युवा समन्वयक, जिला परियोजना अधिकारी अपनी कार्य योजना की प्रस्तृति देते हुए।

__तेरहवां सत्र :– राज्य कार्य योजना और राज्य स्थिति प्रस्तुति__ – राज्य **निदेशिका** डा. कुमारी ज्योत्स्ना द्वारा राज्य स्तर पर नमामि गंगे परियोजना में चल रही गतिविधियों को विस्तार से बताया एवं प्रस्तावित कार्य योजना के बारे मे प्रस्तुति दिया साथ ही परियोजना के उद्येश्यों की प्रगति के लिए अपनाई जाने वाले नवीन रणतियों के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा किए।

राज्य निदेशिका डा. कुमारी ज्योत्स्ना द्वारा राज्य कार्य योजना की प्रस्तुति देते हुए।

<u>चौदवां सत्र</u> :- राज्य निदेशिका डा. कुमारी ज्योस्त्ना द्वारा आये हुए सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सह मीडिया कार्यशाला के उद्येश्य एवं महत्व के विषय में व परियोजना के सफल क्रियान्वयन व लक्षित परिणाम के लिए सुझाव और विचार दिया गया साथ ही परियोजना संबंधित अपने जिला में कार्य करने के विषय में सभी से चर्चा की गई ।

तदोपरांत प्रशिक्षण को समाप्त कर आये हुए अतिथिों के द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं मोंमेन्टो दिया गया।

प्रशिक्षण के समाप्त होने पर प्रमाण पत्र वितरण एवं अतिथियों के साथ प्रतिभागी ।

कार्य .योजना

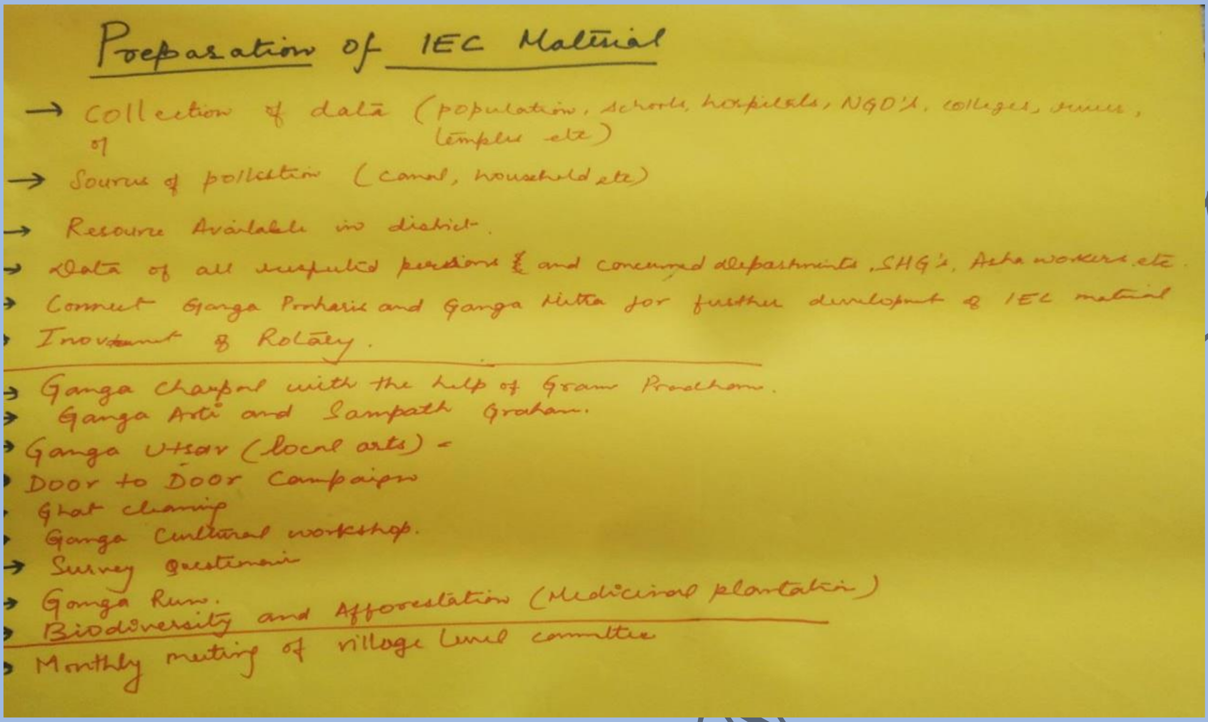
Preparation of IEC Material
Collection of data (population, schools, hospitals, NGO's, colleges, temples etc)
Sources of pollution (canal, household etc)
Resource Available in district.
Connect Ganga Praharis and Ganga Mitra for further development of IEC material
Ganga Chaupal with the help of Gram Pradhan.
Ganga Arti and Sampath Grahan.
Ganga Utsav (local arts)
Door to Door Campaign
Ghat cleaning
Ganga Cultural workshop.
Survey questionnaire
Ganga Run.
Biodiversity and Afforestation (Medicinal plantation)
Monthly meeting of village level committee

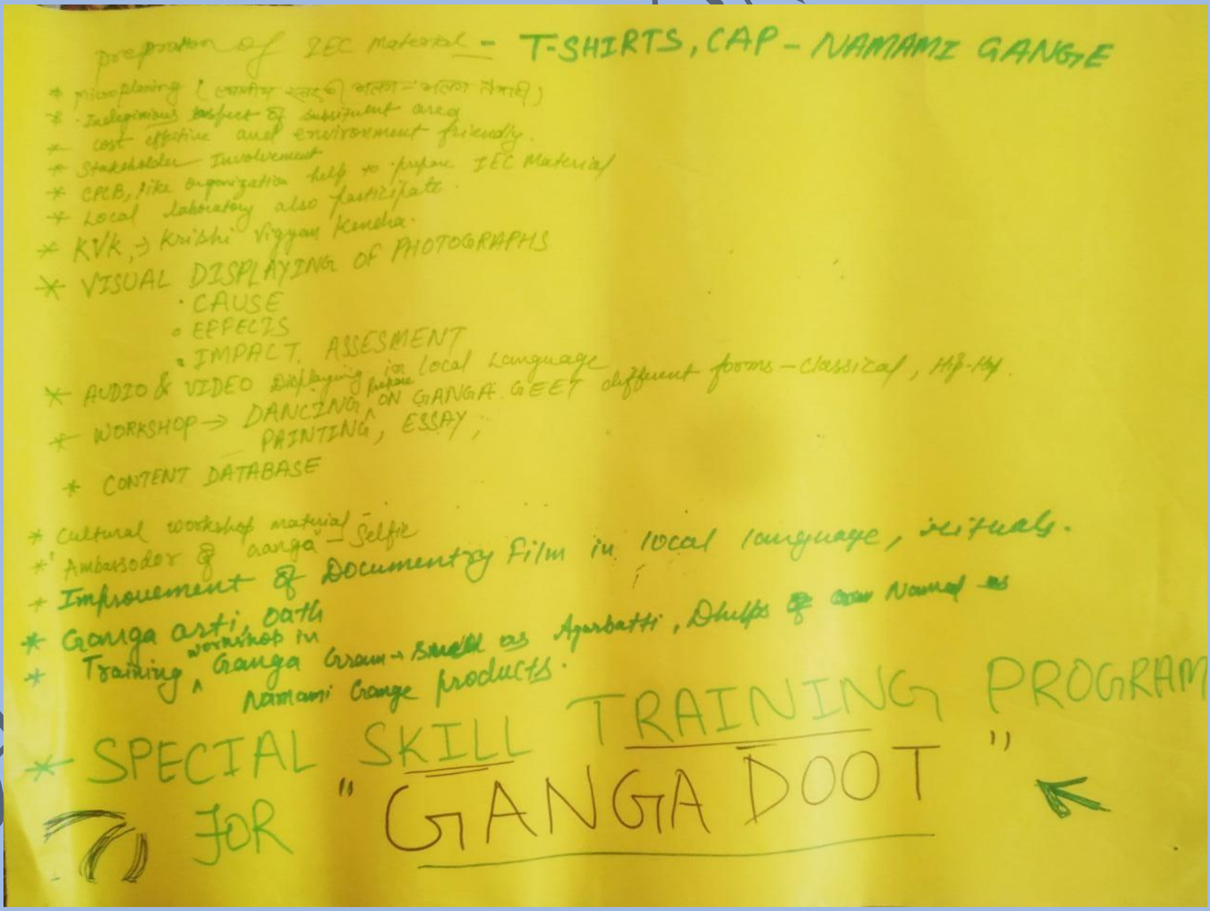
T-SHIRTS, CAP - NAMAMI GANGE
cost effective and environment friendly.
Stakeholder Involvement
CPCB, like organization help to prepare IEC Material
Local laboratory also participate.
KVK → Krishi Viggyan Kendra.
VISUAL DISPLAYING OF PHOTOGRAPHS
CAUSE
EFFECTS
IMPACT ASSESMENT
AUDIO & VIDEO
WORKSHOP → DANCING, PAINTING, ESSAY;
CONTENT DATABASE
Documentary Film in local language, rituals.
Ganga arti, oath
SPECIAL SKILL TRAINING PROGRAM FOR "GANGA DOOT"

कार्यशाला सह प्रशिक्षण का फोटोग्राफ

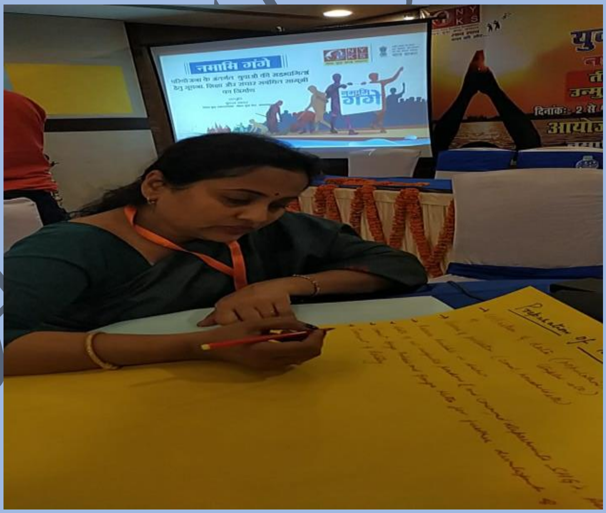

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
नमामि गंगे परियोजना के अन्तर्गत

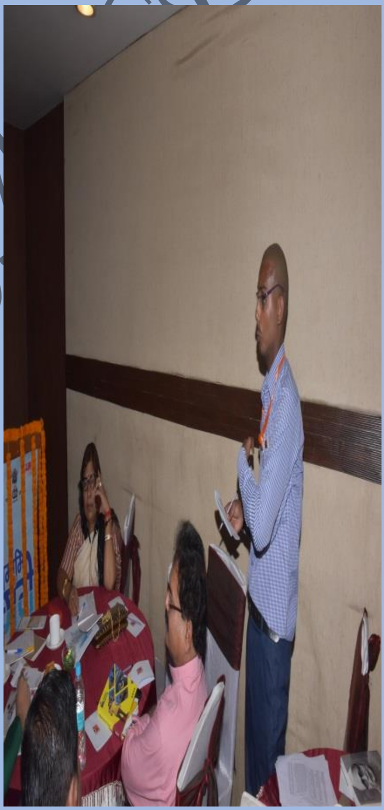

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
नमामि गंगे परियोजना के अन्तर्गत

<u>**मीडिया कवरेज**</u>

नमामि गंगे

गंगा को निर्मल बनाने के लिए पांच जिलों के युवाओं का होगा जुटान

पटना | वरीय संवाददाता

गंगा को निर्मल और अविरल बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। खासकर के वो लोग जो गंगा के किनारे रहते है और सीधे किसी-न-किसी रूप से गंगा से जुड़े हैं। उनके सहयोग के बिना कोई भी कार्य सफल नहीं हो सकता है। इस परियोजना के अंतर्गत बिहार से गंगा दूतों का चयन होना है। गंगा दूत गांव-गांव में लोगों को गंगा की सफाई के लिए अलग-अलग तरीको जैसे गंगा घाटों की सफाई, गंगा चौपाल, गंगा शपथ ग्रहण ,वृक्षारोपण से जागरूक करेंगे। ये बातें राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन की पर्यावरण विशेषज्ञ प्रियंका झा ने कहीं। मंगलवार को युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन युवा और नेहरू युवा केंद्र संगठन के साथ हुए एमओयू के तहत प्रोजेक्ट नमामि गंगे परियोजना में युवाओं की सहभागिता के लिए तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तर पर मस्तिष्क मंथन,उन्मुखीकरण प्रशिक्षण-सह-मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पटना में चल रहे इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओ को गंगा को निर्मल और अविरल बनाने के लिए जोड़ना है। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य निदेशक नेहरू युवा केंद्र बिहार की निदेशक डॉ. कुमारी ज्योत्स्ना,भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के संयुक्त निदेशक गोपाल शर्मा, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक रामप्रकाश सहनी, नेहरू युवा केन्द्र के उपनिदेशक शिवजी पाण्डेय ने संयुक्त रूप से किया।

कार्यक्रम में पांच जिलों के जिला परियोजना अधिकारी व जिला युवा समन्वयक भाग ले रहे हैं। हैं। जब तक युवा आग नही आएंगे तब तक हम गंगा की सफाई की बात नहीं कर सकते, हमे ज्यादा से ज्यादा युवाओं से सम्पर्क स्थापित करना होगा।

नमामि गंगे परियोजना को लेकर आयोजित कार्यशाला में भाग लेते पर्यावरण विशेषज्ञ। ● हिन्दुस्तान

तीन दिनों तक चलेगा यह कार्यक्रम

पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ. ज्योत्स्ना ने कार्यक्रम में बताया की युवाओं की समग्र भागीदरी से ही के लोगों तक आसानी से पहुचकर जागरूकता फैला सकते हैं। रामप्रकाश सहनी ने बताया कि जैविक खेती से जुड़े अनुभवों को सभी प्रतिभागियों के समक्ष रखा। डॉ. गोपाल शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम तीन दिनों तक चलेगा। साथ ही अलग-अलग विषयों के गणमान्य प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जायेगा, ताकि अधिक से अधिक जन भागीदारी द्वारा गंगा को निर्मल और अविरल बनाया जा सके। कार्यक्रम मे युवाओं की भागीदारी पर अधिक जोर दिया गया। कहा कि युवाओं की सहभागिता के बिना देश में कोई परिवर्तन संभव नहीं है।

hindustantimes

Central govt to pick 'Ganga doots' from 5 states to clean river

HT Correspondent
htpatna@hindustantimes.com

PATNA: The government will select "Ganga doots" (envoy) from Bihar, Uttarakhand, Uttar Pradesh, Jharkhand and West Bengal who would spread public awareness about cleaning the Ganga river.

The exercise would be taken up through cleaning of ghats, "Ganga chaupal" (village level meeting in open), taking pledge to keep the river clean and planting saplings, said Priyanka Jha, environmental expert, National Mission for Clean Ganga, New Delhi.

She said the objective of the three-day regional level brainstorming, orientation training-cum-media workshop on "Involvement of Youth in Namami Gange Project" was to encourage youths to get involved in the Ganga rejuvenation project. The workshop will culminate on Wednesday.

Jha also gave a detailed report about various activities being undertaken under the Namami Gange project. She said youths, especially had an important role to play.

Inaugurating the programme, Kumari Jyotsna, state director of the Nehru Yuva Kendra, Bihar, said Ganga could be rejuvenated only by the overall participation of youth. Ramprakash Sahni ji, who is associated with ongoing organic farming under Namami Gange, shared his experience about water efficient cropping pattern and importance of organic farming.

Gopal Sharma joint director, Zoological Survey of India; Ramprakash Sahni, joint director of agriculture department, Bihar; Shivji Pandey, deputy director of the Nehru Yuva Kendra Sangathan, were also present on the occasion.

▪ Youth are being encouraged for Ganga rejuvenation project. HT FILE

प्रिंन्ट मीडीया एवं इलैक्ट्रोनिक्स मीडीया के द्वारा प्रशिक्षण का कवरेज ।